۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

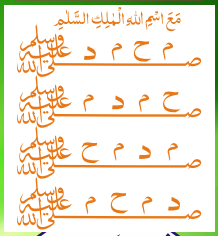

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलामे मोह़म्मदी ﷺ
चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़
20

अस्सलामुल्मुह़म्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़त़ति
सलामे मोह़म्मदी चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ 20

मुरत्तिब

बमौक़ा शव्वाल 1438हि0
बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म ल कल ह़म्दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि कामिलवँ व सल्लिम दाइमवँ व कर्रिम सर्मदन अ़ला मौलाई ह़ामिदि क व मुअ़ती सि़राति़ हुदा क व आ़लिमि मा सा र वमा मासा र व मूसिलि कलामि क इलाकुल्लिल आ़लमि वरिदइकद्दवामि व हु व अ म र कुल्लल आ़लमि लअत़ाउ़ल्ला ह इलाहवँ वाह़िदन व हु व रसूलुकल आ़लमु वल्ला आ़लमु मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि वअ़स्लह़ल्लाहु वालिदहू कुल्लल वालिदि वउम्महू कुल्लल उम्मि वआलहू कुल्लल आलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही वकुल्लिउममिरसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

मुराद अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह सारी ह़म्द अल्लाह ही के लिए है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम हमारे मौला अल्लाह के ह़ामिद के लिए वारिद हो और अल्लाह की राहे हुदा के मोअ़ती के लिए हो और हर उस अम्र के आ़लिम के लिए हो कि वह हुवा और वह कि अ़दम की ओर रहा और सारे आ़लम को अल्लाह के कलाम के मूसि़ल के लिए हो और अल्लाह के दाइमी माहिर हादी के लिए हो और वह अल्लाह के माहिर हादी सारे आ़लम को हुक्म किए कि सारे लोग हर ह़ाल से अल्लाह के वाह़िद इलाह की गवाही देकर मुत़ाअ़ हों और वह अल्लाह का मकाँ और ला मकाँ वाला रसूल मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और अल्लाह सालेह़ किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलो औलाद को सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तमाम तअ़रीफ़ तेरे ही लिए है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू ख़ूब ख़ूब कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला अपनी तअ़रीफ़ करने वाले पर और तेरी हिदायत की राह अ़ता करने वाले पर और मा का न व मायकूनु का इ़ल्म रखने वाले पर और सारे आ़लम को तेरा कलाम पहुँचाने वाले पर और अपने दाइमी माहिर रहनुमा पर और तेरे माहिर हादी ने सारे आ़लम वालों को हुक्म फ़रमाया कि वह ज़रूर ज़रूर अल्लाह को एक मअ़बूद समझकर उसकी इ़बादत करें और वह तेरे मकानो ला मकान वाले रसूल मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) को अल्लाह ने तमाम वालिद में सब से ज़्यादा नेक बनाया और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में सबसे ज़्यादा नेक बनाया और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा नेक बनाया और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा

करने वाले मुह़्युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहुअ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलते सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ (20)

यह "सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले ह़ुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना 100/11/5 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की मोह़ब्बत और ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी और मक़्बूल ह़म्दो शुक्र की तौफ़ीक मिलेगी वह हर आफ़तो बला और हर मोहलिक बीमारी और तमाम शरों से मह़फ़ूज़ रहेगा अ़क़्ल की आफ़तों से मह़फ़ूज़ हो कर अक़्ले कुल का फ़ैज़ पाएगा और अल्लाह उसे गुमान से ज़्यादा अपनी नेअ़मतें अ़त़ा फ़रमाएगा नीज़ वह अहले बैत व स़ह़ाबए केराम की शफ़क़तो मोह़ब्बत और रूह़ानी व क़ल्बी त़ौर

पर उनके अ़ज़्मतो फ़ैज़ान से मुअ़ज़्ज़ज़ होगा वह दहरो क़ब्रो ह़श्र में मक़ामे रिज़ा वालों के गिरोह में शामिल किया जाएगा और ईमान पर ख़ातिमा होगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

स़लातुल उ़त्क़ा(आज़ादी की नमाज़): सय्यिदी हुज़ूर ग़ौसुल अअ़ज़म रदि़यल्लाहु अ़न्हु गुन्यतुत्तालिबीन में फ़रमाते हैं कि हम से अबू नस़्र ने ब्यान किया वह अपने वालिद से नक़्ल करते हैं और वह अपनी सनद के साथ ह़ज़रत अनस रदि़यल्लाहु अ़न्हु से रिवायत करते हैं कि रसूले अकरम ﷺ ने फ़रमाया जो शख़्स शव्वाल के किसी दिन या रात में आठ रकअ़तें यूँ पढ़े कि हर रकअ़त में सूरए फ़ातिहा के बअ़द 15 बार सूरए इख़्लास़ पढ़े नमाज़ से फ़ारिग़ होने के बअ़द 70 बार सुब्ह़ानल्लाह पढ़े और 70 बार दुरूद शरीफ़ पढ़े उस ज़ात की क़सम जिसने मुझे सच्चा नबी बना कर भेजा है जो शख़्स भी यह नमाज़ पढ़ेगा अल्लाह तआ़ला उस के दिल में इल्मो ह़िक्मत के सर चश्मे जारी करदेगा उस की ज़बान पर भी यही चीज़ जारी होगी, उसे दुन्या भर की बीमारियों और उनके इ़लाज का इ़ल्म अ़ता फ़रमाएगा उस ज़ात की क़सम जिसने मुझे बर ह़क़ नबी बना कर भेजा है जो आदमी इस ब्यान किए हुए त़रीक़े के मुत़ाबिक़ यह नमाज़ पढ़ेगा आख़िरी सिज्दे से

सर उठाने से पहले अल्लाह तआ़ला उसे बख़्श देगा अगर फ़ौत हो जाए तो शहीद बख़्शा हुवा फ़ौत होगा, जो शख़्स सफ़र में यह नमाज़ पढ़े अल्लाह तआ़ला उस पर सफ़र में चलना और मन्ज़िल तक पहुँचना आसान करदेता है अगर क़र्ज़ दार हो तो अल्लाह तआ़ला क़र्ज़ से नजात देगा अगर ह़ाजत मन्द हो तो अल्लाह तआ़ला उस की ह़ाजत पूरी फ़रमाएगा, उस ज़ात की क़सम जिसने मुझे सच्चा नबी बना कर भेजा है जो आदमी यह नमाज़ पढ़े अल्लाह तआ़ला क़ियामत के दिन उसे हर ह़र्फ़ और हर आयत के बदले जन्नत में एक "मख़्फ़ा" अ़ता फ़रमाएगा अ़र्ज़ किया गया या रसूलल्लाह ﷺ मख़्फ़ा क्या है आप ﷺ ने फ़रमाया जन्नत में बाग़ात हैं उसके एक दरख़्त के नीचे सवार सौ साल तक चलेगा लेकिन ख़त्म न होगा, अल्लाह तआ़ला हमें इस नमाज़ को अदा करने की तौफ़ीक़ अ़ता फ़रमाए और इस के फ़ुयूज़ो बरकात से माला माल फ़रमाए। आमीन! (गुन्यतुत्तालिबीन सफ़ा 686)

नोटः- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम" वग़ैरह www.syed14peer.com पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। 9695435877 :رابطہ نمبر

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com